

## इलाहाबाद विकास प्राधिकरण

पत्रांक : 196/प्र0310-भवन/जोन-1/50810/2013-14 दिनांक 13/10/2014

01

### अनुमति-पत्र (Revise)

२९ अनुमति सं0प्र0 नगर नियोजन तथा विकास अधिनियम 1973 के धारा 14 व 15 के अन्तर्गत दी जाती है, किन्तु अर्थ यह न समझना चाहिये कि उस भूमि के सम्बन्ध में फिर पर Revise समूह आवास मानचित्र स्वीकृत किया जा रहा है, इससे किसी प्रकार या किसी स्थानीय निकाय या इसका स्थानीय अधिकारी या व्यक्ति अथवा फर्म के न.निर्माण अधिकारों पर किसी का कोई असर पड़ेगा अर्थात् यह अनुमति किसी के भित्तिवत या स्वामित्व के अधिकारों के विरुद्ध कोई प्रभाव न रखेगी।

श्रीमती जाहिदा खातून पत्नी मो० जमील खॉ एवं श्रीमती निगहत कगाल पत्नी श्री स्वर्णदेव कगाल, विकासकर्ता पुलिसयानी कान्सट्रक्शन एण्ड डेवलपर्स लिमिटेड द्वारा नज़ूल ग्री होल्ड उपविभाजित भूखण्ड संख्या-C-3, C-5 सिविल स्टेशन, रूनिंग रोड, इलाहाबाद (क्षेत्रफल 6688.65 वर्गमीटर) जोन संख्या (1) के अन्तर्गत संयुक्त रूप से दाखिल संशोधित समूह आवास मानचित्र के प्रस्तावित नाम पर निर्माण की अनुमति उपाध्यक्ष महोदय की स्वीकृति आदेश दिनांक 23-03-2014 के अनुपालन में निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान की जाती है :-

1. सं0प्र0 नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 के धारा 15ए (1) के प्राविधानों के अनुरूप पूर्णतः प्रमाण पत्र प्राप्त होने के पश्चात् ही संपन्नो/अधिसंग किया जायेगा, भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2008 में उपविधि संख्या-2.1.8 एवं 3.1.8 ने निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण रूप पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक है।
2. यह स्वीकृति अनतिम (Irrevocable) स्वीकृति के रूप में होगी। निर्माण पूर्ण होने के उपरान्त, सन्तो आवश्यक Mandatory Clearances/N.O.C वही शर्तें पूर्ण करने के पश्चात्, निर्गत किये जाने वाले 'पूर्णता प्रमाण-पत्र' प्राप्त करने के बाद ही इस परिसर को वास्तविक उपयोग में लाया जा सकेगा।
3. स्थल पर 4X8 फिट का एक बोर्ड लगाकर अधिकरण द्वारा स्वीकृत मानचित्र सम्बन्धी विवरण अंकित करना अनिवार्य होगा, जिसमें आर्किटेक्ट/इन्जीनियर के फर्म का नाम भी अंकित हो।
4. प्रस्तुत लेण्ड रोकेशन प्लान के अनुसार स्थल पर पर्याप्त वृक्ष लगाने होंगे तथा वृक्षों को हरा-मरा रखने का दखिल निर्माण/विकासकर्ता/रेजीडेन्ट सोसायटी का होगा।
5. रेनवाटर ड्राईस्टिंग प्रणाली नाल के अनुसार पूर्ण करते हुए सू.नर्म जल विभाग से अनापूर्ति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। तत्पश्चात् ही जमा रुकडंडी0आर0 जमागुस्त किया जायेगा।
6. स्थल पर सोलर वाटर हीटिंग संयंत्र की स्थापना अनिवार्य रूप से की जायेगी तथा संयोजन फिटींग एवं टारगलेट में आवश्यक रूप से करना होगा।
7. स्थल पर आन्तरिक विकास कार्य प्रस्तावना के अनुसार पूर्ण करते हुए पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा, इस हेतु प्रस्तुत व्ययानुमान में कोई बढ़ोतरी होती है तो उसका भुगतान आवेदक/विकासकर्ता को वहन करना होगा, इस हेतु दिये गये शपथ पत्र दिनांक 08.07.2013 का अनुपालन वाध्यकारी होगा।
8. ग्रीन बेल्ट/पार्क के अन्तर्गत रिजार्ज/टैंक एक जोन में बनाना होगा।
9. सं0प्र0 अपार्टमेन्ट एक्ट 2012 एवं रूल्स 2013 को सनस्त प्रभावी नियम एवं शर्तें मान्य होंगे।
10. बिल्डर द्वारा दिये जाने वाले शोषण पत्र स्वीकृत मानचित्र प्राप्त होने के 15 दिनों के अन्दर उपलब्ध करना अनिवार्य होगा।
11. आवेदक/विकासकर्ता द्वारा निर्माण में प्रयुक्त शीशरी एवं उत्तमजैत नलवा को अपने परिसर में ही रखा जायेगा। इस हेतु दिये गये शपथ पत्र दिनांक 08.07.2013 का अक्षरशः अनुपालन करना होगा।
12. पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पूर्व उप निदेशक/जीन इलेक्ट्रिकल इन्स्पेक्टर की अनुमति प्राप्त कर प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

Continued

13. मुख्य अग्नि शमन अधिकारी को अनापत्ति पत्र संख्या-एफए/सीएफओ/आई-2(88)/2012 दिनांक 15.08.2012 (छायाप्रति संलग्न) में अंकित प्रतिबन्धों का अनुपालन करने होगा तथा निर्माण पूर्ण होने पर अन्तिम अनापत्ति प्राप्त किया जाना आवश्यक होगा।
14. नगर आयुक्त, नगर निगम की अनापत्ति पत्र संख्या 4730/STC/13 दिनांक 10.08.2013 (छायाप्रति संलग्न) में अंकित प्रतिबन्धों का अनुपालन करना होगा।
15. संशोधित मानचित्र पूर्व रवीकृत 84 आवासीय इकाईयों सहित 02 अतिरिक्त आवासीय इकाई कुल 86 आवासीय इकाईयों हेतु है। अतिरिक्त इकाईयों का निर्माण/विनायन अनुमत्त नहीं होगा।
16. माननीय न्यायालय में कोई वाद होने अथवा उत्पन्न होने की स्थिति में उद्भूत स्वीकृति माननीय न्यायालय के निर्णय के अधीन होगी यह रवीकृति गू-रूमित का अधिकार प्रदान नहीं करती है। गू त्वामित्व सम्बन्धी कोई भी विवाद सक्षम न्यायालय/प्राधिकारी द्वारा ही निरतारित किया जा सकता है।
17. यदि आपेक्षक द्वारा कोई मरुत्पपूर्ण सूचना छिपायी गयी है अथवा गलत सूचना दी गयी है तो उक्त नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 15 (9) के अन्तर्गत मानचित्र निरस्त करने योग्य होगा।
18. मकान निर्माण से यदि नाली के सड़क की पट्टी अथवा सड़क या नाली के किसी भाग (जो नकान के आग्र भाग, पृष्ठ भाग अथवा उसके आकार के कारण ढक गई हो) को हानि पहुँचे तो रहस्वानी तैयार हो जाने पर 15 दिन के भीतर अथवा यदि विकास प्राधिकरण ने एक लिखित सूचना द्वारा और शीघ्र कह तो पहले ही उसे अपने खर्च से मरम्मत कराकर पूर्ववत् अवस्था तिरार विकार प्रतिकरण को सन्तोष हो जाय, में कर देगा।
19. गृह निर्माण के समय इसका भी ध्यान रखना होगा कि भारतीय विद्युत अधिनियम 1956 (इंजिडियन इलेक्ट्रिडिटी कल 1965) नियम 82 का उल्लंघन किसी भी दशा में न होना चाहिये यदि विकास प्राधिकरण की जानकारी में ऐसे मामले पाये गये तो वह ऐसे निर्माण को रोक अथवा हटाय सकता है।
20. आवेदक को नियमानुसार विकास प्राधिकरण को मकान की नींव तक तथा छत तक बन जाने एवं उसके पूर्ण हो जाने की सूचना मकान आवाद होने से पूर्व देना होगा तथा उस आदमी का नाम भी देना होगा जिसके निरीक्षण में मकान निर्मित हुआ है।
21. यदि निर्माण में मास्टर प्लान का उल्लंघन होता पाया गया तो निर्माणकर्ता को दी गई रवीकृति रद्द रांझी जायेगी और किया गया निर्माण अन्धिकृत घोषित कर उक्त अधिनियम की धारा 27 (1) के अन्तर्गत कार्यवाही आरम्भ की जायेगी।

संलग्नक : उपर्युक्तानुसार।

(पुष्कर श्रीवास्तव)

OSD/प्रनारी अधिकारी (तपस-2)

इलाहाबाद विकास प्राधिकरण,

इलाहाबाद

Type your text